सं0 २१ /पेयजल(2)/06-2(50पे0)/2005

प्रेषक,

केदार सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2 देहरादून: दिनांक ३ फरवरी, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद टिहरी गढ़वाल की कवीली पालकोट ग्राम समूह पुनर्गठन पेयजल योजना प्रथम चरण की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 37/अ0पेयजल-टिहरी/ दिनांक 05.01.2006 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद जनपद टिहरी गढ़वाल की कवीली पालकोट ग्राम समूह पुनर्गठन पेयजल योजना प्रथम चरण के रू0 1853.93 लाख के प्राक्कलन पर टी0ए0सी0 के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि रू0 1655.60 लाख (रू0 सोलह करोड़ पचपन लाख साठ हजार मात्र) की लागत के आगणन पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त कार्य हेतु वन भूमि हस्तान्तरण कर वन विभाग की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही व्यय की स्वीकृति दी जायेगी।

2 आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरें की जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।

क्रमशः 2

7— कार्य करने से पूर्व स्थल की भली भाँति निरीक्षण सक्षमाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले।स्थल निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

8— आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद की धनराशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

9— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

10—कार्य की गुणवत्ता एंव समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

11— योजना के निर्माण स्थल में वन विभाग की भूमि आने की दशा में वन विभाग की भूमि हस्तान्तरण के पश्चात ही योजना पर कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

12— यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0—163/XXVII(2)/2006 दिनांक 30 जनवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)
अपर सचिव

पृ0सं0 ४१ /उन्तीस(2)–2(50 पे0)/2006,तददिनांक

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून ।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल मण्डल।
3. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग—2/वित्त(बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तरांचल।
8. स्टाफऑफिसर—मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पांथरी)
अनु सचिव